



झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति  
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड  
फोन नं०- 0651-2261000, 2261856-2261002 मेल आईडी-0-nrhmjharkhand3@gmail.com

पत्रांक: 9/RCH-456/17-1407(MD)

दिनांक : 19.05.2021

प्रेषक,

अभियान निदेशक,  
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड

सेवा में,

सभी उपायुक्त,  
झारखण्ड।

विषय :- COVID-19 के दौरान स्तनपान एवं शिशु आहार (IYCF) से संबंधित दिशा-निर्देशों एवं IMS Act का अनुपालन सभी स्तरों पर सुनिश्चित करने के संबंध में।

प्रसंग:- पत्रांक 9/RCH-41/2019-68(HSN) दिनांक 13.03.2019, पत्रांक 9/RCH-583 (MD) दिनांक 01.02.2020, पत्रांक 9/RCH-1599 (MD) दिनांक 21.08.2020, पत्रांक 9/RCH-1798 (MD) दिनांक 10.09.2020।

महाशय/महाशया,

उपर्युक्त विषय एवं प्रसंग के संबंध में कहना है कि राज्य में Covid-19 संक्रमण के रोकथाम हेतु क्रियान्वित "स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह" एवं उसके उपरांत भी बच्चों को स्तनपान एवं शिशु आहार सुचारु रूप से जारी रखने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग बाल मृत्यु दर को कम करने हेतु कृतसंकल्प है।

NFHS-4 के अनुसार झारखण्ड में जन्म के 1 घंटे अन्दर स्तनपान का दर 32.2% एवं 6 माह तक पूर्ण स्तनपान का दर 64.8% है। माँ का दूध बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है एवं यह बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। कोविड-19 के दौरान यह आवश्यक है कि बच्चों को स्तनपान सुनिश्चित कराया जाय। इस हेतु निम्न का अनुपालन किया जा सकता है :-

- राज्य के सभी Health Facilities एवं समुदाय स्तर पर (HBNC, HBYC एवं गृह भ्रमण के दौरान सहियाओं द्वारा) 1 घंटे के अन्दर शत प्रतिशत नवजात शिशुओं को स्तनपान सुनिश्चित कराया जाय ताकि आने वाली संभावित कोविड-19 की तीसरी लहर हेतु शिशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सके।
- कोविड-19 के मद्देनजर माँ बच्चे के जन्म से 6 माह तक सिर्फ अपना स्तनपान करायें (बकरी का दुध, मधु, पानी इत्यादि न दें) एवं 6 माह के उपरान्त उपरी आहार के साथ कम से कम बच्चे के 2 वर्ष तक स्तनपान जारी रखें।
- भारत सरकार द्वारा Infant Milk Substitute Feeding Bottle and Infant Food regulatory of Protection Supply and Distribution Act, 1992 and amendment in 2003 (IMS Act) कानून पूरे देश में लागू किया गया है, जिसका अनुपालन सभी स्तरों पर सुनिश्चित करते हुए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करायें।
- स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग का सभी स्तरों पर परस्पर समन्वय से स्तनपान एवं शिशु आहार (IYCF) से संबंधित दिशा-निर्देशों एवं IMS Act का अनुपालन।

- यदि माँ एवं बच्चा बीमार है एवं कोविड-19 से संक्रमित या उसकी संभावना है तब भी माँ बच्चे को मास्क पहनकर अपना दूध पिलाते रहें एवं कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु निर्देशित व्यवहारों का अनुपालन करें।

अतः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड द्वारा पूर्व में निर्गत दिशा-निर्देशों की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि दिशा-निर्देशों का अनुपालन सभी स्तरों पर सुनिश्चित करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित करने की कृपा की जाय।

अनुलग्नक : यथोक्त

विश्वासभाजन

*h*  
3/5/21  
( अभियान निदेशक )

ज्ञापांक :- 1407(MD)

दिनांक :- 19.05.2021

1. प्रधान सचिव, स्वास्थ्य चि0शि0 एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
2. निदेशक, समाज कल्याण, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग को सूचनार्थ प्रेषित करते हुए अनुरोध है कि अपने स्तर से सभी जिला समाज कल्याण पदाधिकारियों एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश निर्गत करने की कृपा की जाय।
3. निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएँ, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. कोषांग प्रभारी, Maternal Health Cell, NHM, झारखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
5. सभी सिविल सर्जन, झारखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
6. सभी जिला आर.सी.एच. पदाधिकारियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
7. सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, कुपोषण उपचार केन्द्र, झारखण्ड को सूचनार्थ एवं अनुपालनार्थ प्रेषित।
8. सभी जिला कार्यक्रम प्रबन्धक / जिला डाटा प्रबन्धकों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
9. Nutrition Specialist, UNICEF Jharkhand को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

*h*  
3/5/21  
( अभियान निदेशक )



झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति  
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड

फोन न०- 0651-2261000, 2261856-2261002 मेल आईडी-030-nrhmi@jharkhand3@gmail.com

पत्रांक :- 9/RCH-41/2019- 68 (HSN)

दिनांक :- 13.03.19

प्रेषक,

सचिव,  
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं  
परिवार कल्याण विभाग,  
झारखण्ड।

सेवा में,

सभी सिविल सर्जन  
झारखण्ड।

विषय :- संस्थागत प्रसव के साथ जन्म के 1 घंटे के अन्दर स्तनपान को बढ़ावा दिये जाने एवं IMS Act के प्रभावी अनुपालन के संबंध में।

महाशय/महाशया,

झारखण्ड सरकार बाल मृत्यु दर को कम करने हेतु कृत सकल्प है इस संदर्भ में NFHS-4 के अनुसार झारखण्ड में बच्चों में जन्म के 1 घंटे के अन्दर स्तनपान का प्रतिशत मात्र 33.2% है साथ ही 6 माह तक पूर्ण स्तनपान का प्रतिशत 64.8% है बाल मृत्यु दर को कम करने हेतु उपांकित सूचकाकों में अपेक्षित सुधार की आवश्यकता है।

आप अवगत हैं कि बच्चों के बौद्धिक एवं शारीरिक विकास में बच्चे के जन्म के 1 घंटे के अंदर स्तनपान तथा छः माह तक केवल स्तनपान की भूमिका महत्वपूर्ण है। जन्म के 1 घंटे के अंदर स्तनपान शिशु मृत्यु दर में 20% की गिरावट लाता है। साथ ही बिना स्तनपान के बच्चों में न्यूमोनिया से 15 गुणा तथा डायरिया से 11 गुणा ज्यादा मृत्यु का खतरा बना रहता है। डब्बा बंद दूध का प्रयोग स्तनपान के प्रयोग को कम करता है साथ ही ऐसे बच्चों में मृत्यु का खतरा भी बढ़ाता है।

उपरोक्त तथ्यों के आलोक में डब्बा बंद दूध के प्रयोग को बंद करने एवं स्तनपान को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार ने Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infant Foods (Regulation of Production, supply and Distribution) Act, 1992 and as amended in 2003 (IMS Act) का कानून पूरे देश में लागू किया गया है। उपांकित एक्ट के मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं :-

- पाउडर दूध डिब्बाबन्द पूरक आहार एवं बोतल पर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष बंदिश।
- किसी भी प्रसार के माध्यम से माँ के दूध के विकल्प के रूप में डिब्बाबन्द पाउडर दूध का प्रचार वर्जित है।
- माँ और स्वास्थ्य कर्मियों को भेंट के रूप में उपरोक्त चीजों के नमूनों को देने पर रोक।
- उक्त उत्पादों से संबंधित शैक्षणिक सामग्री अथवा उत्पादित वस्तुएँ और उपहार के रूप में देना मना है।
- इन सामग्रियों पर बालक माता और कार्टून की तस्वीर छापना मना है।
- स्वास्थ्य/पोषण संस्थाओं को इन कम्पनियों द्वारा किसी भी प्रकार का डोनेशन देने पर पाबंदी है।
- इस प्रकार की उत्पादों की बिक्री के लिए कमर्चारियों को कोई भी प्रोत्साहन राशि देने पर पाबंदी लगाई गई है।
- MAA - Mother's Absolute Affection कार्यक्रम के तहत IMS Act के संबंध में संस्थान एवं समुदाय स्तर पर जागरूकता हेतु विशेष ध्यान दिया जाय।



उपाकित परिपेक्ष्य में IMS Act से संबंधित प्रावधानों एवं दिशा-निर्देश की प्रति संलग्न किया जा रहा है। जिलान्तर्गत चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के संघ यथा — IMA (India Medical Association), Pediatricians (IAP-Indian Association of pediatrician), Gynecologists (FOGS) Federation of Obs. and Gyn Surgeon of India), Nurses (TNAI-Trained Nurses Association of India) एवं अन्य (SOMI-Society of Midwives of India) को IMS Act से अवगत कराते हुए एक्ट के उल्लंघन के दृष्टांत पाये जाने पर एक्ट के अनुरूप कार्रवाई करना सुनिश्चित की जाय। इस कार्य हेतु जिला के सिविल सर्जन को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

साथ ही जिला अन्तर्गत सभी स्तरो (L1, L2 एवं L3) पर होने वाले संस्थागत प्रसव के उपरान्त प्रशिक्षित पारामेडिकल कमिटी के द्वारा शत प्रतिशत शिशुओं को जन्म के 1 घन्टे के अन्दर स्तनपान सुनिश्चित कराया जाय, ताकि राज्य में स्तनपान संबंधी सूचकांको में अपेक्षित बढ़ोत्तरी हो सके।

अनुलग्नक :- यथोक्त।

विश्वासभाजन

*W. K. M. C. M. I.*  
सचिव 12/08/19

स्वा०चि०शि० एवं परिवार कल्याण विभाग,  
झारखण्ड।

ज्ञापांक :- 68 (H.C.N)

दिनांक :- 12.08.19

प्रतिलिपि :-

1. स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को सादर सूचनार्थ।
2. अभियान निदेशक, झारखण्ड स्वास्थ्य मिशन, राँची को सूचनार्थ प्रेषित।
3. निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएँ, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. अपर निदेशक सह नोडल पदाधिकारी, Child Health को सूचनार्थ प्रेषित।
5. सभी जिला आर.सी.एच. पदाधिकारियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
6. सभी जिला प्रबंधक / अस्पताल प्रबंधकों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
7. पोषण विशेषज्ञ, युनिसेफ, झारखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
8. डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, President, IAP को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
9. डॉ. सुनीता कात्यान, BPNI, Ranchi Chapter को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
10. State Coordinator, BPNI, Jharkhand को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

*W. K. M. C. M. I.*  
सचिव 12/08/19

स्वा०चि०शि० एवं परिवार कल्याण विभाग,  
झारखण्ड।





# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II — खण्ड 1

PART II — Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 2, 2003/ ज्येष्ठ 12, 1925

No. 41]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 2, 2003/ JYASTHA 12, 1925

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

New Delhi, the 2nd June, 2003/Jyastha 12, 1925 (Saka)

The following Act of Parliament received the assent of the President on the 1st June, 2003, and is hereby published for general information:—

### THE INFANT MILK SUBSTITUTES, FEEDING BOTTLES AND INFANT FOODS (REGULATION OF PRODUCTION, SUPPLY AND DISTRIBUTION) AMENDMENT ACT, 2003

(No. 38 of 2003)

[1st June, 2003.]

AN Act to amend the Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infant Foods  
(Regulation of Production, Supply and Distribution) Act, 1992.

Be it enacted by Parliament in the Fifty-fourth Year of the Republic of India as follows:—

1. (1) This Act may be called the Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infant Foods (Regulation of Production, Supply and Distribution) Amendment Act, 2003.

Short title  
and com-  
mencement.

(2) It shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.



Amendment  
of section 2.

2. In section 2 of the Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infant Foods (Regulation of Production, Supply and Distribution) Act, 1992 (hereinafter referred to as the principal Act),—

41 of 1992.

(i) for clause (a), the following clause shall be substituted, namely:—

“(a) “advertisement” includes any notice, circular, label, wrapper or any other document or visible representation or announcement made by means of any light, sound, smoke or gas or by means of electronic transmission or by audio or visual transmission.”;

(ii) in clause (d), for the words “but does not include a pharmacy or drug store”, the words “a pharmacy, drug store and any association of health workers” shall be substituted;

(iii) in clause (f), for the words “after the age of four months”, the words “after the age of six months and up to the age of two years” shall be substituted;

(iv) in clause (g), for the words “, whether or not it is suitable for such replacement”, the words “for infant up to the age of two years” shall be substituted;

(v) after clause (i), the following clause shall be inserted, namely:—

“(j) “promotion” means to employ directly or indirectly any method of encouraging any person to purchase or use infant milk substitute, feeding bottle or infant food.”.

Amendment  
of section 3.

3. In section 3 of the principal Act,—

(i) in clause (a), for the words “or feeding bottles”, the words “, feeding bottles or infant foods” shall be substituted;

(ii) in clause (b), for the words “infant milk substitutes is”, the words “infant milk substitutes and infant foods are” shall be substituted;

(iii) for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:—

“(c) take part in the promotion of infant milk substitutes, feeding bottles or infant foods.”.

Amendment  
of section 4.

4. In section 4 of the principal Act, for the words “feeding bottles”, at both the places where they occur, the words “feeding bottles or infant foods” shall be substituted.

Amendment  
of section 5.

5. In section 5 of the principal Act, for the words “feeding bottles”, at both the places where they occur, the words “feeding bottles or infant foods” shall be substituted.

Amendment  
of section 6.

6. In section 6 of the principal Act, in sub-section (2), for the words “infant milk substitute”, at both the places where they occur, the words “infant milk substitute or infant food” shall be substituted.

Amendment  
of section 7.

7. In section 7 of the principal Act,—

(a) in sub-section (1),—

(i) for the words “Every educational or other material”, the words “Every educational or other material including advertisements or material relating to promotion of infant milk substitutes, feeding bottles and infant foods” shall be substituted;

(ii) after clause (f), the following clause shall be inserted, namely:—

“(fa) the date of printing and publication of such material and the name of the printer and publisher.”;

(b) in sub-section (2), for the words “feeding bottles”, the words “feeding bottles or infant foods” shall be substituted.



8. In section 9 of the principal Act, for sub-section (2), the following sub-section shall substituted, namely:—

Amendment  
of section 9.

“(2) No producer, supplier or distributor referred to in sub-section (1), shall offer or give any contribution or pecuniary benefit to a health worker or any association of health workers, including funding of seminar, meeting, conference, educational course, contest, fellowship, research work or sponsorship.”.

9. In section 20 of the principal Act, for the word and figures “section 11”, at both the places where they occur, the words and figures “section 11 and the rules made under section 26 of the Act” shall be substituted.

Amendment  
of section 20.

10. In section 24 of the principal Act, after the words “or of any State Government”, the words, brackets, letter and figures “or a representative of such voluntary organisation which is notified under clause (c) of sub-section (1) of section 21” shall be inserted.

Amendment  
of section 24.

SUBHASH C. JAIN,  
*Secy. to the Govt of India.*



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 691]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 1, 2003/श्रावण 10, 1925

No. 691]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 1, 2003/SRAVANA 10, 1925

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(महिला एवं बाल विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2003

का.आ. 880(अ).—केन्द्रीय सरकार शिशु दुग्ध अनुकल्प, पोषण बोतल और शिशु खाद्य (उत्पादन, प्रदाय और वितरण विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2003 (2003 का 38) की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 1 नवम्बर, 2003 को, उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. 12-3/97-टी.आर.-II/एम.ई.]

दिनेश सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE  
DEVELOPMENT

(Department of Women and Child Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2003

S.O. 880(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 1 of the Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infant Foods (Regulation of Production, Supply and Distribution) Amendment Act, 2003 (38 of 2003), the Central Government hereby appoints the 1st day of November, 2003, as the date on which the provisions of the said Act shall come into force.

[F.No. 12-3/97-T.R. II/ME]

DINESH SINGH, Jt. Secy.



## Annexure II

### **The Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infant Foods (Regulation of Production, Supply and Distribution) Act, 1992 and As Amended Act in 2003**

This Act provides for the regulation of production, supply and distribution of infant milk substitutes, feeding bottles and infant foods with a view to the protection and promotion of breastfeeding and ensuring the proper use of infant foods and for matters connected to it. It extends to the whole of India. It also lays the responsibility of health workers and of the government to provide accurate information to people. Following are the basic provisions of the IMS Act.

#### THE IMS ACT PROVISIONS

##### **IMS Act is violated if any baby Food Company, its distributor or supplier, or any person**

1. Promotes any food by whatever name, for children up to two years.
2. Promotes use of infant foods before the age of six months.
3. Advertises by any means-television, newspapers, magazines, journals, through SMS, emails, radio, pamphlets etc.
4. Distributes the product or samples to any person.
5. Contacts pregnant or lactating mothers using any person.
6. Gives any kind of inducements like free gifts, tied sales, to anyone.
7. Distributes information and educational material to mothers, families etc. (They can give educational material to health professionals like doctors, nurses etc provided it has information prescribed in clause 7 of the IMS Amendment Act, 2003. The education material should have only factual information and should not promote the products of the company)
8. Gives tins, cartons, accompanied leaflets of these products having pictures of mothers or babies, cartoons or any other such images to increase saleability.
9. Displays placards, posters in a hospital, nursing home, chemist shop etc. for promoting these products.
10. Provides direct or indirect inducements to health workers
11. Demonstrates to mothers or their family members how to feed these products. However, a doctor can demonstrate this to the mother.
12. Gives benefits to doctors, nurses or associations like IAP, IMA, NNF etc, for example, funds for organizing seminars, meeting, conferences, contest, fee of educational course, sponsoring for projects, research work or tours.
13. Fixes commission of employees on the basis of volume of sales of these products.

### HIGHLIGHTS OF THE ACT

- Prohibits all persons from any kind of promotion of infant milk substitutes, infant foods or feeding bottles
- Prohibits the advertisement of infant milk substitutes and feeding bottles to "ensure that no impression is given that feeding of these products is equivalent to, or better than, breastfeeding."
- Prohibits providing free samples and gifts to pregnant women, mothers of infants and members of the families.
- Prohibits donation of free or subsidised supplies of products for health care institutions and prohibits incentives and gifts to health workers.
- Prohibits display of posters at health care facilities / hospitals /health centres.
- The Act also prescribes that all labels of IMS /Infant food, must say in English and local, languages that breastfeeding is the best. Also, the labels must not have pictures of infants or women or phrases designed to increase the sale of the product.
- Prohibits any contact of employers manufacturing and distributing company with pregnant women, even for providing educational material to them.

### PENALTIES FOR CONTRAVENTION

Violations of the Act attract imprisonment for up to three years and/or fine up to Rs.5000.

Penalty with regard to the Label on container or quality of infant milk substitute, feeding bottle and infant food is punishable with imprisonment up to 6 month extended to 3 years and fine at least Rs.2000.

### WHAT HEALTH SERVICE PROVIDERS CAN DO

- Seek correct and scientific information about breastfeeding, feeding bottles and infant foods.
- Understand the hazards of using infant milk substitutes,
- Create awareness on promotion and protection of breastfeeding.
- Report violations to the right authorities. Inform/publicise addresses and names of organisations where you can report violations.





झारखण्ड सरकार  
झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति  
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड  
नामकुम, राँची।

फोन नं०- 0651-2261000, 2261856-2261002 मेल आईडी- nrhmjharkhand3@gmail.com

पत्रांक: 9/RCH- 583(MD)

दिनांक : 01.05.2020

प्रेषक,

डॉ. शैलेश कुमार चौरसिया, भा.प्र.से.  
अभियान निदेशक।

सेवा में,

सभी सिविल सर्जन, झारखण्ड।

सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, कुपोषण उपचार केंद्र, झारखण्ड

विषय :- COVID 19 के दौरान स्तनपान एवं शिशु आहार (IYCF) से संबंधित दिशा-निर्देश।  
महाशय/महाशया,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि राज्य में COVID 19 के संक्रमण के रोकथाम हेतु किये गए लॉकडाउन की अवधि और उसके उपरांत भी नवजात शिशु का स्तनपान एवं शिशु आहार सुचारु रूप से जारी रखने के लिए दिशा-निर्देश (संलग्न) आवश्यक कार्यवाही हेतु उपलब्ध करायी जा रही है।

### मुख्य सन्देश

1. स्तनपान नवजात शिशुओं को बार-बार बीमार पड़ने से बचाता है तथा सम्पूर्ण शिशु एवं बाल्यावस्था में सुरक्षा प्रदान करने में सहायता करता है।
2. शिशु को जन्म के एक घंटे के अंदर माँ का दूध पिलाएं और पहले 6 महीने सिर्फ स्तनपान कराएं।
3. यदि बच्चा बीमार है और वह कोविड-19 से संक्रमित है या उसकी संभावना है, तब भी माँ उसे अपना दूध पिलाती रहें।
4. यदि माँ स्तनपान नहीं करा सकती है, तो वह अपना दूध साफ कटोरी में निकाल सकती है और साफ कप या चम्मच से बच्चे को दूध पिला सकती है।
5. अगर माँ को बुखार, खाँसी या साँस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण हैं तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। जब माँ बच्चे के संपर्क में रहे तथा खाँसते और छींकते समय अपने मुँह को रुमाल या टिशू से ढकें।
6. छींकने और खाँसने के बाद, बच्चे को अपना दूध पिलाने से पहले और बाद में तथा किसी भी सतह को छूने से पहले और बाद में अपने हाथों को साबुन और पानी से 40 सेकंड या सैनिटाइजर से अच्छी तरह साफ करें।
7. बच्चे के तेज मानसिक व शारीरिक विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए, उसके 6 महीने पूरे होने पर देखभालकर्ता बच्चे को माँ के दूध के साथ ऊपरी आहार खिलाना शुरू करें।

अतः अनुरोध है कि राज्य सरकार के द्वारा COVID 19 के संक्रमण से बचाव से सम्बंधित निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय ताकि नवजात एवं शिशुओं के स्तनपान तथा पोषण को राज्य में सुचारु रूप से जारी रखा जा सके। उक्त संदेशों से संबंधित भारत सरकार द्वारा निर्गत पोस्टर भी इस पत्र के साथ संलग्न है।

अनुलग्नक :- यथोक्त।

विश्वासभाजन

  
( अभियान निदेशक )

ज्ञापांक :- 583(MA)

दिनांक :- 01.05.2020

प्रतिलिपि :-

1. प्रधान सचिव, स्वा0, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
2. सभी उपायुक्त, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएँ, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. उप निदेशक सह नोडल पदाधिकारी, Child Health Cell झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
5. नोडल पदाधिकारी, IEC Cell, NHM, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित करते हुए अनुरोध है कि संलग्न पोस्टर का प्रदर्शन सभी Health Facility पर सुनिश्चित किया जाय।
6. सभी जिला आर.सी.एच. पदाधिकारियों को सूचना एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
7. सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, कुपोषण उपचार केन्द्रों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
8. पोषण विशेषज्ञ, युनिसेफ, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
9. सभी जिला कार्यक्रम प्रबन्धक / अस्पताल प्रबन्धक को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

  
11/5/20  
( अभियान निदेशक )



## कोविड-19 के दौरान स्तनपान एवं पूर्ण आहार

1. शिशु को जन्म के एक घंटे के अंदर माँ का दूध पिलाएं और पहले 6 महीने सिर्फ स्तनपान कराएं
  - माँ का दूध नवजात शिशु को बीमार होने से बचाता है
  - माँ के दूध में एंटीबॉडी होते हैं जो बच्चे की रोग प्रतिरोधक शक्ति का बढ़ाता है और उसकी रोगों से रक्षा करता है
  - माँ का दूध नवजात की बचपन में सुरक्षा करने में मदद करता है
2. स्तनपान कराएं सावधानी के साथ, संक्रमण से करें बचाव  
अगर माँ को बुखार, खाँसी या साँस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण हैं, तो वह:-
  - तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें
  - डॉक्टर की बताई गई बातों का पालन करें
  - जब बच्चे के संपर्क में रहे तो मास्क पहनें
  - खाँसते और छींकते समय अपने मुँह को रुमाल या टिशू से ढकें
  - छींकने और खाँसने के बाद, बच्चे को अपना दूध पिलाने से पहले और बाद में अपने हाथों को साबुन और पानी से 40 सेकंड तक धोएं
  - किसी भी सतह को छूने से पहले उसे साबुन या सैनिटाइजर से अच्छी तरह साफ करें
3. यदि माँ स्तनपान नहीं करा सकती है, तो वह अपना दूध साफ कटोरी में निकाल सकती है और साफ कप या चम्मच से बच्चे को दूध पिला सकती है
  - अपना दूध निकालने से पहले हाथों को साबुन व पानी से 40 सेकंड तक धोएं तथा जिस कटोरी या कप में दूध निकालें उसे साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं
  - अपना निकला हुआ दूध पिलाते समय मास्क पहन कर रखें तथा अच्छे से साफ किए गए कप या चम्मच से ही दूध पिलाएं
4. यदि माँ स्तनपान कराने व दूध निकालने के लिए बहुत बीमार है, तो वह:
  - एक अवधि के बाद फिर से अपना दूध पिलाना शुरू करें
  - बच्चे को दूध पिलाने व उसकी देखभाल के लिए अन्य महिला की मदद लें
5. यदि बच्चा बीमार है और वह कोविड-19 से संक्रमित है या उसकी संभावना है, तब भी माँ उसे अपना दूध पिलाती रहें
6. बच्चे के तेज मानसिक व शारीरिक विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए, उसके 6 महीने पूरे होने पर देखभालकर्ता बच्चे को:
  - माँ के दूध के साथ ऊपरी आहार खिलाना शुरू करें
  - विभिन्न प्रकार के खाने जैसे दाल, दूध व दूध से बने पदार्थ, पीली, नारंगी और हरी सब्जियां व फल दें ताकि उसका हर निवाला पोषण से भरपूर हो
  - यदि लॉकडाउन के दौरान, ताजा फल-सब्जी या खाना न मिले, तो अन्य खाद्य सामग्री काम में लाएं। बाजार में मिलने वाले पेय पदार्थ और खाना जिसमें ज्यादा चिकनाई, मीठा व नमक हो उनका सेवन व करें।
  - खाना बनाने, खिलाने या खाने से पहले 40 सेकंड तक साबुन व पानी से हाथ धोएं

- खाना खिलाने से पहले बच्चे के हाथ भी साबुन व पानी से धोएं
- खाना बनाने वाले स्थान को साबुन व पानी से अच्छी तरह साफ करें
- बच्चे को अलग कटोरी से खाना खिलाएं
- बच्चे को साफ कटोरी और चम्मच से ही खाना खिलाएं
- बीमारी के दौरान बच्चे को सामान्य मात्रा में भोजन अधिक बार खिलाएं और बीमारी के बाद सामान्य से ज्यादा खाना खिलाएं
- ऊपरी आहार की शुरुआत में देरी होने से बच्चे के शारीरिक व मानसिक विकास पर असर पड़ेगा और उसमें कुपोषण का खतरा भी बढ़ेगा

|               |   |  |
|---------------|---|--|
| 6 महीने       | : | 2-3 चम्मच खाना दिन में 2 से 3 बार                    |
| 6 से 9 महीने  | : | आधी कटोरी खाना दिन में 2 से 3 बार और 1 बार नाश्ता    |
| 9 से 12 महीने | : | 3/4 कटोरी खाना दिन में 3 से 4 बार और 2 बार नाश्ता    |
| 1 से 2 साल    | : | 1 कटोरी खाना दिन में 3 से 4 बार और 1 से 2 बार नाश्ता |

7. यदि माँ कोविड-19 से संक्रमित है या उसकी संभावना है, तब भी स्वास्थ्य कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि:

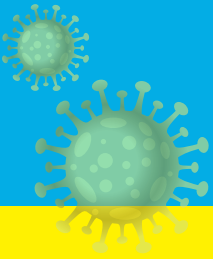
- कोविड-19 संबंधी स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए, बच्चे को जन्म के पहले घंटे से 6 महीने तक केवल माँ का दूध ही पिलाया जाए
- सभी गर्भवती महिलाओं एवं माताओं को स्तनपान संबंधी परामर्श दें, और उनको स्तनपान करवाने में सहयोग करें
- माँ और शिशु एक साथ रहें और माँ अपनी त्वचा से शिशु की त्वचा को स्पर्श कराकर दूध पिलाएं
- अपनी स्वास्थ्य संस्था में, या अपने किसी भी कर्मचारी द्वारा दूध की बोतलें, निप्पल इत्यादि को बढ़ावा न दें

8. शिशु के देख रेख एवं skin to skin contact के लिए अन्य महिला की सहयोग लिया जा सकता है।

9. किसी भी सतह को छूने के उपरान्त साबुन और पानी को हाथ को 40 सेकंड तक धोएं या Hand sanitizer से sanitize करें। ऐसे सतह जिन्हे अक्सर छुआ जाता है उन्हें नियमित रूप से detergents या 1% hypochlorite solution या sanitizer से विसंक्रमित करें।

10. बच्चे को Kangaroo Mother Care परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा प्रदान किया जा सकता है जिनके पास COVID 19 संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं।





स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय  
भारत सरकार



Help us to  
help you

## कोविड-19 के दौरान, भी बच्चे को मिले पूर्ण आहार



शिशु को जन्म के एक घंटे के अंदर माँ का दूध पिलाएं  
और पहले 6 महीने सिर्फ स्तनपान कराएं

- माँ का दूध नवजात शिशु को बीमार होने से बचाता है
- माँ का दूध नवजात की बचपन में सुरक्षा करने में मदद करता है
- माँ के दूध में एंटीबॉडी होते हैं जो बच्चे की रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है और उसकी रोगों से रक्षा करता है

### स्तनपान कराएं सावधानी के साथ, संक्रमण से करें बचाव

अगर माँ को बुखार, खाँसी या साँस लेने में तकलीफ  
जैसे लक्षण हैं, तो वह:



तुरंत डॉक्टर से  
संपर्क करें



डॉक्टर की बताई गई  
बातों का पालन करें



जब बच्चे के संपर्क  
में हो तो मास्क पहनें



खाँसते और छींकते  
समय अपने मुँह को  
रुमाल या टिश्यू से  
ढकें



छींकने और खाँसने के बाद,  
बच्चे को अपना दूध पिलाने  
से पहले और बाद में अपने  
हाथों को साबुन और पानी  
से 40 सेकंड तक धोएं



किसी भी सतह को छूने  
से पहले उसे साबुन या  
सैनिटाइजर से अच्छी  
तरह साफ करें

यदि माँ स्तनपान नहीं करा सकती है, तो वह अपना दूध साफ कटोरी में निकाल  
सकती है और साफ कप या चम्मच से बच्चे को दूध पिला सकती है

#### अपना दूध निकालने से पहले



हाथों को साबुन व पानी  
से 40 सेकंड तक धोएं



जिस कटोरी या कप में दूध  
निकालें उसे साबुन और  
पानी से अच्छी तरह धोएं

#### अपना निकला हुआ दूध पिलाते समय



मास्क पहन  
कर रखें



अच्छे से साफ किए  
गए कप या चम्मच  
से ही दूध पिलाएं



**यदि माँ स्तनपान कराने व दूध निकालने के लिए बहुत बीमार है, तो वह:**

- एक अवधि के बाद फिर से अपना दूध पिलाना शुरू करें
- बच्चे को दूध पिलाने व उसकी देखभाल के लिए किसी अन्य महिला की मदद लें

**यदि बच्चा बीमार है और वह कोविड-19 से संक्रमित है या उसकी संभावना है, तब भी माँ उसे अपना दूध पिलाती रहे**

बच्चे के तेज़ मानसिक व शारीरिक विकास की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए, उसके 6 महीने पूरे होने पर देखभालकर्ता बच्चे को :



**6 महीने :** 2-3 चम्मच खाना दिन में 2 से 3 बार

**6 से 9 महीने :** आधी कटोरी खाना दिन में 2 से 3 बार और 1 बार नाश्ता

**9 से 12 महीने :** 3/4 कटोरी खाना दिन में 3 से 4 बार और 2 बार नाश्ता

**1 से 2 साल :** 1 कटोरी खाना दिन में 3 से 4 बार और 1 से 2 बार नाश्ता

- 1 माँ के दूध के साथ ऊपरी आहार खिलाना शुरू करें
- 2 विभिन्न प्रकार के खाने जैसे दाल, दूध व दूध से बने पदार्थ, पीली, नारंगी और हरी सब्जियाँ व फल दें ताकि उसका हर निवाला पोषण से भरपूर हो
- 3 यदि लॉकडाउन के दौरान, ताज़ा फल-सब्जी या खाना न मिले, तो अन्य खाद्य सामग्री काम में लाएं। बाज़ार में मिलने वाले पेय पदार्थ और खाना जिसमें ज्यादा चिकनाई, मीठा व नमक हो उनका सेवन न करें

- 4 खाना बनाने, खिलाने या खाने से पहले 40 सेकंड तक साबुन व पानी से हाथ धोएं
- 5 खाना खिलाने से पहले बच्चे के हाथ भी साबुन व पानी से धोएं
- 6 खाना बनाने वाले स्थान को साबुन व पानी से अच्छी तरह साफ करें
- 7 बच्चे को अलग कटोरी से खाना खिलाएं
- 8 बच्चे को साफ कटोरी और चम्मच से ही खाना खिलाएं
- 9 बीमारी के दौरान बच्चे को सामान्य मात्रा में भोजन अधिक बार खिलाएं और बीमारी के बाद सामान्य से ज्यादा खाना खिलाएं



**ऊपरी आहार की शुरुआत में देरी होने से बच्चे के शारीरिक व मानसिक विकास पर असर पड़ेगा और उसमें कुपोषण का खतरा भी बढ़ेगा**



**यदि माँ कोविड-19 से संक्रमित है या उसकी संभावना है, तब भी स्वास्थ्य कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि:**

- कोविड-19 संबंधी स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए, बच्चे को जन्म के पहले घंटे से 6 महीने तक केवल माँ का दूध ही पिलाया जाए
- सभी गर्भवती महिलाओं एवं माताओं को स्तनपान संबंधी परामर्श दें, और उनको स्तनपान करवाने में सहयोग करें
- माँ और शिशु एक साथ रहें और माँ अपनी त्वचा से शिशु की त्वचा को स्पर्श कराकर दूध पिलाएं
- अपनी स्वास्थ्य संस्था में, या अपने किसी भी कर्मचारी द्वारा दूध की बोतलें, निप्पल, पेसिफायर या डमीज़ को बढ़ावा न दे

**नोट :** डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, वर्ल्ड बैंक, पिरामल फाउंडेशन, अलाइव एंड थ्राइव और न्यूट्रीशन इंटरनेशनल द्वारा मिलकर तैयार की गई है

**संदर्भ :** डब्ल्यूएचओ इएमआरओ। 23 मार्च 2020 कोविड-19 के संक्रमण के दौरान स्तनपान जारी रखने की सलाह

**सुरक्षित रहें! नोवल कोरोना वायरस से बचे रहें!**

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के  
**24X7** हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें

**1075 या +91-11-23978046**  
ncov2019@gmail.com





झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति  
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड

फोन नं०- 0651-2261000, 2261856-2261002 मेल आईडी-0-nrhmjharkhand3@gmail.com

पत्रांक : 9/RCH-

1599 (MD)

दिनांक : 21/8/2020

प्रेषक,

अभियान निदेशक

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड।

सेवा में,

निदेशक, समाज कल्याण

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग,

झारखण्ड।

सभी उपायुक्त,

झारखण्ड।

**विषय:-** COVID-19 के दौरान स्तनपान एवं शिशु आहार (IYCF) से संबंधित दिशा-निर्देश एवं IMS Act के अनुपालन के संबंध में।

**प्रसंग:-** पत्रांक 9/RCH-41/2019-68(HSN) दिनांक 13.03.2019, पत्रांक 9/RCH-583(MD) दिनांक 01.02.2020।

महाशय/महाशया,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि COVID-19 के दौरान जनसमुह में वितरण होने वाले राशन में नवजात बच्चों (for the infant up to the age of two years) को डब्बाबंद दूध, Feeding Bottle, formula Feed या माँ के दूध के अन्य विकल्पों Infant Milk substitutes, Feeding bottles and infant Foods (Regulation of Production, Supply and Distribution) Act, 1992 and as amended in 2003 का उल्लंघन माना जायेगा। इस Act के तहत सजा का भी प्रावधान है। आप अवगत हैं कि डब्बाबंद दूध या अन्य विकल्पों से बच्चों में संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।

अतः उपांकित परिपेक्ष्य में अनुरोध है कि 0-6 माह तक के बच्चों में सिर्फ स्तनपान (Exclusive Breastfeeding) को ही बढ़ावा दिया जाय तथा IMS Act का अनुपालन सभी स्तरों पर सुनिश्चित कराया जाय। सुलभ प्रसंग हेतु IMS Act की प्रति एवं राज्य से निर्गत विभिन्न दिशा-निर्देश इस पत्र के साथ संलग्न है।

अनुलग्नक :- यथोक्त।

विश्वासभाजन

20/8/20

( अभियान निदेशक )

ज्ञापांक :- 1599 (MD)

दिनांक :- 21/8/2020

प्रतिलिपि :-

1. प्रधान सचिव, स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रधान सचिव, समाज कल्याण, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. नोडल पदाधिकारी, Child Health को सूचनार्थ प्रेषित।
4. सभी सिविल सर्जनों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
5. सभी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, झारखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
6. सभी जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
7. पोषण विशेषज्ञ, UNICEF को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

20/8/20

( अभियान निदेशक )

## The Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infant Foods (Regulation of Production, Supply and Distribution) Act, 1992 as Amended in 2003 (IMS Act)

Vide The Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infant Foods  
(Regulation of Production, Supply and Distribution) Act, 1992  
No. 38 of 2003

NOTE -BPNI has put efforts to provide the complete text of the provisions of IMS Act 1992 and IMS Amendment Act 2003 for better understanding of readers.

An Act to amend the Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infants Foods (Regulation of Production, Supply and Distribution) Act, 1992. It provides for the regulation of production, supply and distribution of infant milk substitutes, feeding bottles and infant foods with a view to the protection and promotion of breastfeeding and ensuring the proper use of infant foods and for matters connected therewith or incidental thereto.

Be it enacted by Parliament in the Fifty-fourth Year of the Republic of India as follows: -

1. (1) This Act may be called the Infant Milk Substitutes, Feeding Bottles and Infant Foods (Regulation of Production, Supply and Distribution) Act 1992, as amended in 2003 (IMS Act)

(2) It extends to the whole of India.

(3) It shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. In this Act, unless the context otherwise requires, -

(a) "advertisement" includes any notice, circular, label, wrapper or any other document or visible representation or announcement made by means of any light, sound, smoke or gas or by means of electronic transmission or by audio or visual transmission;

(b) "container" means a box, bottle, casket, tin, can, barrel, case, tube, receptacle, sack, wrapper or other thing in which any infant milk substitute, feeding bottle or infant food is placed or packed for sale or distribution;

(c) "feeding bottle" means any bottle or receptacle used for the purpose of feeding infant milk substitutes, and includes a teat and a valve attached or capable of being attached to such bottle or receptacle;

(d) "health care system" means an institution or organisation engaged, either directly or



indirectly, in health care for mothers, infants or pregnant women, and includes a health workers in private practice, a pharmacy, drug store and any association of health workers;

(e) "health worker" means a person engaged in health care for mothers, infants or pregnant women;

(f) "infant food" means any food (by whatever name called) being marketed or otherwise represented as a complement to mother's milk to meet the growing nutritional needs of the infant after the age of six months and up to the age of two years;

(g) "infant milk substitute" means any food being marketed or otherwise represented as a partial or total replacement for mother's milk, for infant up to the age of two years.

(h) "label" means a display of written, marked, stamped, printed or graphed matter affixed to, or appearing upon, any container;

(i) "prescribed" means prescribed by rules made under this Act.

(j) "promotion" means to employ directly or indirectly any method of encouraging any person to purchase or use infant milk substitute, feeding bottle or infant food.

(2) Any reference in this Act to any other enactment or any provision thereof, shall, in relation to an area in which such enactment or such provision is not in force, be construed as a reference to the corresponding law or the relevant provision of the corresponding law, if any, in force in that area.

3. No person shall

- (a) advertise, or take part in the publication of any advertisement, for the distribution, sale or supply of infant milk substitutes feeding bottles or infant foods; or
- (b) give an impression or create a belief in any manner that feeding of infant milk substitutes and infant foods are equivalent to, or better than, mother's milk; or
- (c) take part in the promotion of infant milk substitutes, feeding bottles or infant foods;

4. No person shall

- (a) supply or distribute samples of infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods gifts of utensils or other articles; or
- (b) contact any pregnant woman or the mother of an infant; or
- (c) offer inducement of any other kind,

for the purpose of promoting the use or sale of infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods.

5. Subject to the provisions of sub-section (4) of section 8, no person shall donate or distribute

- (a) infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods to any other person except to an orphanage;

- (b) any informational or educational equipment or material relating to infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods;

Provided that nothing in this clause shall apply to the donation or distribution, subject to such conditions and restrictions as may be prescribed, of such equipment or material through the health care system.

6. (1) Without prejudice to the provisions of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 and the rules made thereunder, no person shall produce, supply or distribute any infant milk substitute or infant food unless every container thereof or any label affixed thereto indicates in a clear, conspicuous and in an easily readable and understandable manner, the words "important notice" in capital letters in such language as may be prescribed and indicating thereunder the following particulars in the same language, namely:-

- (a) a statement "mother's milk is best for your baby" in capital letters;
- (b) a statement that infant milk substitute or infant food should be used only on the advice of a health worker as to the need for its use and the proper method of its use;
- (c) a warning that infant milk substitute or infant food is not the sole source of nourishment of an infant;
- (d) the instructions for its appropriate preparation and a warning against the health hazards of its inappropriate preparation;
- (e) the ingredients used;
- (f) the composition or analysis;
- (g) the storage conditions required;
- (h) the batch number, date of its manufacture and the date before which it is to be consumed, taking into account the climatic and storage conditions of the country;
- (i) such other particulars as may be prescribed.

- (2) No container or label referred to in sub-section (1) relating to infant milk substitute or infant food shall

- (a) have pictures of an infant or a woman or both; or
- (b) have pictures or other graphic material or phrases designed to increase the saleability of infant milk substitutes or infant food; or
- (c) use on it the word "humanised" or "maternalised" or any other similar word; or
- (d) bear on it such other particulars as may be prescribed.

7. (1) Every educational or other material including advertisements or material relating to promotion of infant milk substitutes, feeding bottles and infant foods whether audio or visual, dealing with pre-natal or post-natal care or with the feeding of an infant and intended to reach pregnant women or mothers of infants shall include clear information relating to

- (a) the benefits and superiority of breastfeeding;
- (b) the preparation for, and the continuance of, breastfeeding;
- (c) the harmful effects on breast-feeding due to the partial adoption of bottle feeding;



- (d) the difficulties in reverting to breastfeeding of infants after a period of feeding by infant milk substitute;
- (e) the financial and social implications in making use of infant milk substitutes and feeding bottles;
- (f) the health hazards of improper use of infant milk substitutes and feeding bottles;
- (fa) the date of printing and publication of such material and the name of the printer and publisher;
- (g) such other matters as may be prescribed.

(2) No material referred to in sub-section (1) shall be utilised to promote the use or sale of infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods.

8. (1) No person shall use any health care system for the display of placards or posters relating to, or for the distribution of, materials for the purpose of promoting the use or sale of infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods:

Provided that the provisions of this sub-section shall not apply to

- (a) the donation or distribution of informational or educational equipment or material made in accordance with the proviso to clause (b) of section 5; and
- (b) the dissemination of information to a health worker about the scientific and factual matters relating to the use of infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods along with the information specified in sub-section (1) of section 7.

(2) No person who produces, supplies, distributes or sells infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods shall make any payment to any person who works in the health care system for the purpose of promoting the use or sale of such substitutes or bottles or foods.

(3) No person, other than a health worker, shall demonstrate feeding with infant milk substitutes or infant foods to a mother of an infant or to any member of her family and such health worker shall also clearly explain to such mother or such other member the hazards of improper use of infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods.

(4) No person, other than an institution or organisation, engaged in health care for mothers, infants or pregnant women, shall distribute infant milk substitutes or feeding bottles to a mother who cannot resort to breastfeeding and who cannot afford to purchase infant milk substitutes or feeding bottles.

(5) An orphanage may purchase infant milk substitutes or feeding bottles at a price lower than their sale price for the purpose of utilising them in the said orphanage.

*Explanation* - For the purposes of this sub-section, such purchases shall not amount to an inducement for promoting the use or sale of infant milk substitutes or feeding bottles.

9. (1) No person who produces, supplies, distributes or sells infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods shall offer or give, directly or indirectly, any financial inducements or gifts to a health worker or to any member of his family for the purpose of promoting the use of such substitutes or bottles or foods.

(2) No producer, supplier or distributor referred to in sub-section (1), shall offer or give any contribution or pecuniary benefit to a health worker or any association of health workers, including funding of seminar, meeting, conferences, educational course, contest, fellowship, research work or sponsorship.

10. (1) No person who produces, supplies, distributes or sells infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods shall fix the remuneration of any of his employees or give any commission to such employees on the basis of the volume of sale of such substitutes or bottles or foods made by such employees.

(2) The employees of such person shall not perform any function which relates to educating a pregnant woman or mother of an infant on pre-natal or post-natal care of the infant.

11. (1) No person shall sell or otherwise distribute any infant milk substitute or infant food unless it conforms to the standards, specified for such substitute or food under the Prevention of Food Adulteration Act, 1954, and the rules made thereunder and the container thereof has the relevant Standard Mark specified by the Bureau of India Standards established under section 3 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 to indicate that the infant milk substitute or infant food conforms to such standards:

Provided that where no standards have been specified for any infant milk substitute or infant food under the Prevention of Food Adulteration Act, 1954, no person shall sell or otherwise distribute such substitute or food unless he has obtained the approval of the Central Government in relation to such substitute or food and the label affixed to the container thereof under the rules made under that Act.

(2) No person shall sell or otherwise distribute any feeding bottle unless it conforms to the Standard Mark specified by the Bureau of Indian Standards referred to in sub-section (1) for feeding bottles and such mark is affixed on its container.

12. (1) Any food inspector appointed under section 9 of the Prevention of Food Adulteration Act 1954 (hereinafter referred to as the food inspector) or any officer not below the rank of a Class I officer authorised in this behalf by the State Government (hereinafter referred to as the authorised officer) may, if he has any reason to believe that any provision of section 6 or section 11 has been or is being contravened, enter and search at any reasonable time any factory, building, business premises or any other place where any trade or commerce in infant milk substitutes or feeding bottles or infant foods is carried on or such substitutes or



bottles or foods are produced, supplied or distributed.

(2) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973, relating to searches and seizures shall, so far as may be, apply to every search or seizure made under this Act.

13. (1) If any food inspector or authorised officer has reason to believe that in respect of any infant milk substitute or feeding bottle or infant food or container thereof, the provisions of this Act have been or are being contravened, he may seize such substitute or bottle or food or container.

(2) No such substitute or food or bottle or container shall be retained by any food inspector or authorised officer for a period exceeding ninety days from the date of its seizure unless the approval of the District Judge, within the local limits of whose jurisdiction such seizure has been made, has been obtained for such retention.

14. Any infant milk substitute or feeding bottle or infant food or container thereof, in respect of which any provision of this Act has been or is being contravened, shall be liable to confiscation:

Provided that where it is established to the satisfaction of the court adjudging the confiscation that the person in whose possession, power or control any such substitute or bottle or food or container is found is not responsible for the contravention of the provisions of this Act, the court may, instead of making an order for the confiscation of such substitute or bottle or food or container, make such other order authorised by this Act against the person guilty of the breach of the provisions of this Act as it may think fit.

15. (1) Whenever any confiscation is authorised by this Act the court adjudging it may, subject to such conditions as may be specified in the order adjudging the confiscation, give to the owner thereof an option to pay in lieu of confiscation such cost not exceeding the value of the infant milk substitute or feeding bottle or infant food or container thereof in respect of which the confiscation is authorised as the court thinks fit.

(2) On payment of the cost ordered by the court the seized infant milk substitute or feeding bottle or infant food or container shall be returned to the person from whom it was seized on the condition that such person shall, before making any distribution, sale or supply of such substitute or bottle or food or container, give effect to the provisions of this Act.

16. No confiscation made or cost ordered to be paid under this Act shall prevent the infliction of any punishment to which the person affected thereby is liable under the provisions of this Act or under any other law.

17. Any confiscation may be adjudged or costs may be ordered to be paid, -

(a) without any limit, by the principal civil court of original jurisdiction within the local limits of whose jurisdiction such confiscation has been made or costs have been ordered to be

paid, as the case may be;

(b) Subject to such limits as may be specified by the Central Government in this behalf, by such other court, not below a civil court having pecuniary jurisdiction exceeding five thousand rupees, as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, authorise in this behalf.

18. (1) No order adjudicating confiscation or directing payment of costs shall be made unless the owner of the infant milk substitute or feeding bottle or infant food or container thereof has been given a notice in writing informing him of the grounds on which it is proposed to confiscate such substitute or bottle or food or container and giving him a reasonable opportunity of making a representation in writing, within such reasonable time as may be specified in the notice, against the confiscation and if he so desires, of being heard in the matter.

Provided that where no such notice is given within a period of ninety days from the date of the seizure of the infant milk substitute or feeding bottle or infant food or container thereof, such substitute or bottle or food or container shall be returned after the expiry of that period to the person from whose possession it was seized.

(2) Save as otherwise provided in sub-section (1), the provisions of the Code of Civil Procedure, 1908, shall, so far as may be, apply to every proceeding referred to in sub-section (1).

19. (1) Any person aggrieved by any decision of the court adjudicating a confiscation or ordering the payment of costs may prefer an appeal to the court to which an appeal lies from the decision of such court.

(2) The appellate court may, after giving the appellant an opportunity of being heard, pass such order as it thinks fit confirming, modifying or revising the decision or order appealed against or may send back the case with such directions as it may think fit for a fresh decision or adjudication, as the case may be, after taking additional evidence if necessary.

Provided that an order enhancing any fine in lieu of confiscation or for confiscating goods of greater value shall not be made under this section unless the appellant has had an opportunity of making a representation and if he so desires of being heard in his defence.

(3) No further appeal shall lie against the order of the court made under sub-section (2).

20. (1) Any person who contravenes the provisions of section 3, 4, 5, 7, 8, 9, 10 or sub-section (2) of section 11 and the rules made under section 26 of the Act shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to three years, or with fine which may extend to five thousand rupees, or with both.



(2) Any person who contravenes the provisions of section 6 or sub-section (1) of section 11 and the rules made under section 26 of the Act shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to three years and with fine which shall not be less than two thousand rupees.

Provided that the court may, for any adequate and special reasons to be mentioned in the judgement, impose a sentence of imprisonment for 44 Law 2, a term which shall not be less than three months but which may extend to two years and with fine which shall not be less than one thousand rupees.

21. (1) Save as otherwise provided in section 173 of the Code of Criminal Procedure, 1973, no court shall take cognizance of any offence punishable under this Act except upon a complaint in writing made by

- (a) a person authorised in this behalf under sub-section (1) of section 20 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954; or
- (b) An officer not below the rank of a Class I officer authorised in this behalf, by general or special order, by the Government; or
- (c) a representative of such voluntary organisation engaged in the field of child welfare and development and child nutrition as the Government may, by notification in the Official Gazette, authorise in this behalf.

(2) Where a complaint has been made by a representative of the voluntary organisation authorised under clause (c) of sub-section (1) and the court has issued a summons or, as the case may be, a warrant under sub-section (1) of section 204 of the Code of Criminal Procedure, 1973, the Assistant Public Prosecutor for that court shall take charge of the case and conduct the prosecution.

22. (1) Where an offence under this Act has been committed by a company, every person who, at the time the offence was committed, was in charge of, and was responsible to, the company for the conduct of the business of the company, as well as the company, shall be deemed to be guilty of the offence and shall be liable to be proceeded against and punished accordingly:

Provided that nothing contained in this sub-section shall render any such person liable to any punishment, if he proves that the offence was committed without his knowledge or that he had exercised all due diligence to prevent the commission of such offence.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-section (1), where any offence under this Act has been committed by a company and it is proved that the offence has been committed with the consent or connivance of, or is attributable to any neglect on the part of, any director, manager, secretary or other officer of the company, such director, manager, secretary or other officer shall also be deemed to be guilty of that offence and shall be liable to be proceeded against and punished accordingly.



Explanation. For the purposes of this section,

(a) "company" means any body corporate and includes a firm or other association of individuals; and

(b) "director", in relation to a firm, means a partner in the firm.

23. Notwithstanding anything contained in the Code of Criminal Procedure, 1973, an offence punishable under this Act shall be

(a) bailable;

(b) cognizable.

24. No suit, prosecution or other legal proceeding shall lie against the Central Government or any State Government or any officer of the Central Government or a representative of such voluntary organisation which is notified under clause (c) of sub-section (1) of section 21 for anything which is in good faith done or intended to be done under this Act.

25. The provisions of this Act, or the rules made thereunder shall be in addition to, and not in derogation of, the Prevention of Food Adulteration Act, 1954, or the rules made thereunder.

26. (1) The Central Government may, by notification in the Official Gazette, make rules to carry out the provisions of this Act.

(2) In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing power, such rules may provide for all or any of the following matters, namely:-

(a) the conditions and restrictions subject to which educational equipment and other material may be donated or distributed under the provision to clause (b) of section 5;

(b) the language in which the notice and other particulars shall be indicated under sub-section (1) of section 6;

(c) the particulars which are to be indicated under clause (i) of sub-section (1) of section 6;

(d) the particulars which a container or label shall not bear under clause (d) of sub-section (2) of section 6;

(e) the matters to be included in the information which reaches pregnant women or mothers of infants under clause (g) of sub-section (1) of section 7;

(f) any other matter which is required to be, or may be, prescribed.

(4) Every rule made under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made, before each House of Parliament, while it is in session, for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two or more successive sessions, and if, before the expiry of the session immediately following the session or the successive sessions aforesaid, both Houses agree in making any modification in the rule or both Houses agree that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be; so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.